भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4056

जिसका उत्तर 17 जुलाई, 2019 को दिया जाना है

कोकिंग कोल भण्डार

4056. **श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः**
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः
डॉ॰ हिना विजयकुमार गावीतः
डॉ॰ अमोल रामसिंह कोल्हेः

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कोकिंग कोल रिजर्व का राज्य–वार ब्यौरा क्या है;

(ख) गत तीन वर्षों एवं चालू वर्ष के दौरान देश में आयातित कोकिंग कोल की मात्रा कितनी है;

(ग) कोकिंग कोल की कीमत का इस्पात उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ता है;

(घ) क्या सरकार का विदेशों में कोकिंग कोल रिजर्व स्थलों का अधिग्रहण करने का विचार है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं;

(ङ) उक्त कोकिंग कोल रिजर्व स्थलों का कब तक अधिग्रहण किए जाने की संभावना है तथा इस उद्देश्य हेतु कितनी राशि निर्धारित की गई है; और

(च) देश में कोकिंग कोल की आपूर्ति में सुधार करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क): भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार 01.04.2018 को देश में राज्यवार कोकिंग कोल संसाधन की स्थिति नीचे दी गई हैः-

01.04.2018 की स्थिति के अनुसार राज्यवार कोकिंग कोयला संसाधन (मिलियन टन में)

राज्य	प्रमाणित	निर्दिष्ट	अनुमानित	कुल
पश्चिम बंगाल	775.75	423.68	139.76	1339.19
झारखण्ड	17880.95	11284.39	1660.09	30825.43
मध्य प्रदेश	354.49	1560.11	272.83	2187.43
छत्तीसगढ़	70.77	99.25	0.00	170.02
असम	0	0.39	0	0.39
कुल	19081.96	13367.82	2072.68	34522.46

(ख): कोयला नियंत्रक संगठन द्वारा प्रकाशित वर्ष 2016-17 की कोयला निर्देशिका एवं 2018-19 और 2019-20 (अप्रैल, 2019 तक) की अनंतिम कोयला सांख्यिकी के अनुसार पिछले तीन वर्षों एवं चालू वर्ष के दौरान देश में आयातित कोयले की मात्रा निम्नानुसार हैः-

वर्ष	**आयातित कोकिंग कोयले की मात्रा (मिलियन टन में)**	**मूल्य (मिलियन टन में)**
2016-17	41.644	412301.00
2017-18	47.003	595226.36
2018-19	51.838	720497.64
2019-20 (अप्रैल, 19 तक)	4.186	56946.90

(ग): कोकिंग कोयले की लागत ब्लास्ट फर्नेस के माध्यम से उत्पादन होने वाले इस्पात की कुल लागत का 40-45% बनती है। कोकिंग कोयले की लागत में किसी भी प्रकार की वृद्धि इस्पात उत्पादन की लागत पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

(घ) तथा (ड़): इस्पात क्षेत्र के लिए कोकिंग कोयले की मांग को पूरा करने हेतु कोल इंडिया लिमिटेड ने भारत में उत्पादों के आयात एवं देश में कच्चे माल की सुरक्षा में वृद्धि करने की दृष्टि से ऑस्ट्रलिया और कनाडा पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए विदेश में कोकिंग कोयला परिसंपत्तियां हासिल करने की पहल की है। कुल परिसंपत्तियों की पहचान कर ली गई है। अधिग्रहण प्रक्रिया में विस्तृत विवेकशीलता एवं वाणिज्यिक समझौता करना शामिल है। इस प्रकार की प्रक्रिया के लिए अपेक्षित समय परिसंपत्ति विशिष्ट है और इसलिए यह बताना कि कब तक ऐसे समझौतों को समाप्त किया जा सकता है, संभव नहीं है। उक्त प्रयोजन हेतु कोई विशिष्ट राशि निर्धारित नहीं की गई है परंतु किसी विशिष्ट परिसंपत्ति के लिए निवेश प्रस्ताव को अंतिम रुप देते ही इसका प्रबंध कर दिया जाएगा।

(च): कोकिंग कोयले की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कोयला कंपनियों द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैः-

I. कोकिंग कोयला ग्रेड का पुनः वर्गीकरणः अतिरिक्त 02 कोकिंग कोल ग्रेडों अर्थात् W-V और W-VI की अधिसूचना
II. इस्पात कंपनियों के साथ दीर्घकालिक एफएसए-इस्पात क्षेत्र को 10-15 वर्षों का लिंकेज
III. कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा 9 कोकिंग कोयला वॉशरियों का निर्माण
IV. 11.73 मि.ट. के लिंकेज नीलामी के तीन (3) दौर जिसमें से कोकिंग कोल उपभोक्ताओं द्वारा 3.43 मि.ट. बुक किया गया है।

****